सद्बुद्धि के जागरण एवं सहज सुलभ साधनों से सुख पाता समाज

व्यसनों के विरोध में प्रभावशाली प्रदर्शन

मंदसौर (मध्य प्रदेश)

गायत्री परिवार की मंदसौर शाखा द्वारा पशुपतिनाथ महादेव मेले में नशामुक्ति एवं गौ संवर्धन के सशक्त प्रयास किये गये। इस उपलक्ष्य में मेले में एक प्रदर्शनी लगायी गयी, जिसका उद्घाटन समाजसेवी श्री राजेन्द्र सुराणा, के खिलाफ अक्षम्य अपराध है। घटिया एवं जहरीले गुटखे खाकर मनुष्य असाध्य रोगों से घिरता जा रहा है। इस प्रदर्शनी में नशामुक्ति एवं गौ संवर्धन से संबंधित मिशन का साहित्य एवं नशा छोड़ने में उपयोगी पंचगव्य आधारित औषधियाँ उपलब्ध थीं।

इससे पूर्व गाँधी जयंती पर

मंदसौर के गाँधी चौराहे पर नशे के राक्षस के पुतले को निहारते नगरवासी

हीरालाल भावसार, रामगोपाल काबरा, गोपाल मंडोवरा, नशामुक्ति रेडक्रॉस के प्रभारी डॉ. जानकीदास ओझा एवं डॉ. राधेश्याम पटियाला ने गायत्री मंत्रोच्चारण के साथ दीप प्रज्वलन कर किया। श्री राजेन्द्र सुराणा ने इस अवसर पर कहा कि नशे का कारोबार धर्म एवं मानवता

भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी के तत्वावधान में गायत्री परिवार एवं प्रजापिता ब्रह्मकुमारी संस्था ने नशामुक्ति के संयुक्त प्रयास किये। इस अवसर पर गाँधी चौराहे पर आयोजित प्रदर्शन एवं समारोह को तीनों संस्थाओं के प्रमुखों ने संबोधित किया। लगभग दो सो लोगों ने नशा त्यागने के संकल्प लिए। सायंकाल नगरपालिका अध्यक्ष श्री प्रहलाद बंधवार एवं समाजसेवी श्री रामगोपाल काबरा ने चौराहे पर लगे नशा रूपी राक्षस के पुतले का दहन किया।

मूर्खता का अहसास हुआ

आजमगढ़ (उ.प्र.)

ग्राम मंहगूगंज, पो.बीबीपुर के श्री ओमप्रकाश ठठेरा को बस में सत्संग मिला, आत्मसमीक्षा का सुयोग बना तो व्यसन से होने वाली हानि से आँखें खुल गयीं और बीड़ी-दियासलाई के बण्डल वहीं टूट गये।

परिव्राजक श्री रामकिशोर राय (ग्राम ढढ़नी, गाजीपुर) बिहार में समयदान कर लौट रहे थे। रास्ते में बस में श्री ओमप्रकाश जी पास में बैठे और बीड़ी पीने लगे। मना किया तो नहीं माने, लेकिन माना कि बीड़ी हानिकारक है। तब उन्हें बताया गया कि आप रोज ६ रुपये की और साल में २१६० रुपये की बीड़ी पीते हैं दवा का खर्च अलग, तो उनकी आँखें खुली रह गयीं। उन्होंने तुरंत बीड़ी-माचिस के बण्डल वहीं तोड़ दिये और फिर कभी बीड़ी नहीं पीने का संकल्प लिया। ✷

गायत्री परिवार की स्वास्थ्य सेवाएँ

गरीबों की निःशुल्क सेवा

बोरिवली, मुम्बई (महाराष्ट्र)

दिनांक १८ और १९ नवम्बर के दिन गायत्री परिवार द्वारा युगशक्ति गायत्री साहित्य केन्द्र पर दो दिवसीय निःशुल्क रोग निदान शिविर का

बोरिवली में चल रहे चिकित्सा शिविर का लाभ उठाते गरीब नागरिक

आयोजन किया गया था। बोरिवली (पश्चिम) के आसपास के मुख्यतया कम आय वाले ३०० लोगों ने निःशुल्क रोग निदान शिविर का लाभ लिया।

डॉ. संदीप बाहेती और डॉ. प्रभा बहन परमार के मार्गदर्शन में विविध रोग जैसे कि टाईफॉईड, डेंग्यु मलेरिया, चिकनगुनिया, चमड़ी के दर्द, विविध प्रकार के इन्फेक्शन इत्यादि के लिए मुफ्त दवाई भी दी गई। सर्वसामान्य बीमारी अशक्ति, एनीमिया और रक्तविकार के लिए आयुर्वेदिक एवं एँलोपैथिक औषधि का मुफ्त वितरण किया गया। विटामिन, कैल्शियम, आयरन ओर जनरल टॉनिक भी दर्दों को बाँटे गये। शिविर आयोजन में मनीषा ओझा, आरती पाटील, अमर वाघानी, निवेदिता राज्यगुरु, दर्शित रावल, हर्षा परमार, स्नेहलता जोशी, दीपा वाघानी, हंसा राज्यगुरु और सीमा जोशी ने उत्कृष्ट सेवा प्रदान की।

आयुर्वेदिक काढ़ा वितरण

सीकर (राजस्थान)

डेंगू-चिकनगुनिया के वायरल बुखार से मुक्ति दिलाने के लिए गायत्री शक्तिपीठ सीकर ने बड़े पैमाने पर वनौषधीय काढ़े के वितरण की व्यवस्था की थी। श्री संतलाल कौशिक के अनुसार प्रतिदिन लगभग ढाई कुंतल काढ़ा बनाया जाता था। एक माह के नियमित क्रम में नगर एवं आसपास के हजारों लोगों ने इसका सेवन किया और सुनिश्चित लाभ पाया। क्रम के समापन के बाद भी पीड़ितों को काढ़ा बनाने के लिए सूखी वनौषधियों के निःशुल्क वितरण का क्रम चलता रहा। इस सेवायज्ञ में भगवती महिला मण्डल की बहिनें श्रीमती सुमित्रा पारीक एवं अन्य तथा सर्वश्री गौरीशंकर पंसारी, रामस्वरूप महेश्वरी, योगेश जलधारी, चुन्नीलाल आदि ने अपनी महती सेवाएँ समर्पित कीं।

कामधेनु चिकित्सालय

रायपुर (छत्तीसगढ़)

श्री कृष्ण गोशाला, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, श्याम नगर, रायपुर में गोपाष्टमी के पावन पर्व पर कामधेनु चिकित्सालय का शुभारंभ हुआ। चिकित्सालय का संचालन वैद्यराज श्री वीएन शर्मा कर रहे हैं, जो समस्त दु:साध्य रोगों सहित विभिन्न रोगों का उपचार पंचगव्यों के आधार पर ही करेंगे। ✷

जीवनादर्शों के प्रति विद्यार्थियों का बढ़ता आकर्षण

देव संस्कृति विवि के विद्यार्थियों द्वारा सर्वेक्षण

बाराबंकी (उत्तर प्रदेश)

देव संस्कृति विश्वविद्यालय के परिवीक्षाधीन परा स्नातक छात्र सर्वश्री संदीप पंवार, भूपेन्द्र मण्डल, नन्दन सिंह रावत, धर्मचंद्र गुप्ता, आनन्द कुमार ने गायत्री शक्तिपीठ बाराबंकी के तत्वावधान में जिले के १०० इण्टर कॉलेजों के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दिया। उन्होंने लगभग एक लाख विद्यार्थियों को योगाभ्यास कराया तथा दैनंदिन जीवन में स्वस्थ्य रहने के सूत्र समझाये, जीवन जीने की कला बतायी। इस विद्यार्थी दल ने प्रशिक्षणार्थी छात्रों से एक शोध पत्रक भरवाकर आज की उदीयमान पीढ़ी की मानसिकता का अध्ययन किया। शोध पत्रकों के निष्कर्ष बच्चों में नैतिकता और आदर्शों के प्रति बढ़ती जागरूकता को इंगित करने वाले हैं।

विद्यार्थियों ने अपने आदर्श बताते हुए बापू की अहिंसा एवं सत्यनिष्ठा, नेहरू जी के बालप्रेम और स्वंतत्रता वीरों के साहस को सराहा। उनके आज के मुख्य आदर्श किरन

बाराबंकी जिले के एक विद्यालय में चल रहा योग शिविर

बेदी, कल्पना चावला और डॉ. अब्दुल कलाम थे। किसी विद्यार्थी ने किसी क्रिकेटर, राजनेता या अभिनेता को अपना आदर्श नहीं बताया। बच्चों ने बड़े होकर किसी भी रूप में समाज सेवा एवं देश के विकास में भागीदारी का उत्साह दर्शाया।

अधिकांश बच्चों की अपने परिवारी जनों से अपेक्षाएँ हैं कि वे बेटा-बेटी में भेदभाव न करें और उनकी बातें सुनें, सम्मान दें। बच्चे चाहते हैं कि उनके गुरुजन किसी प्रकार का नशा न करें और मारने की बजाय किसी बात को प्यार से समझाने का प्रयास करें। सरकार से आरक्षण नहीं, उचित अवसर से प्रतिभा को पोषण देने की अपेक्षा उन्होंने रखी।

विद्यार्थियों ने योगाचार्यों के समक्ष पाठ याद न होना, भूल जाना, आँखों से आँसू आना, सिर दर्द जैसी समस्याएँ रखीं, जिनका यथोचित समाधान बताया गया। विद्यार्थी शिक्षा के समग्र अभियान में जिले के सर्वश्री ए.पी. शर्मा, सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, विष्णु कुमार श्रीवास्तव, जगदम्बिका प्रसाद का भावभरा सहयोग रहा।

पाकुड़ (झारखण्ड)

देसंविवि की परिवीक्षाधीन बहिनें श्रीमती लक्ष्मी गुप्ता, सुश्री दुर्गा स्वरूपा, कु. गायत्री चौहान एवं कु. विद्या भारद्वाज की सेवा-शिक्षा से पूरे क्षेत्र में स्वास्थ्य क्रांति का उत्साह उभरा। पाकुड़ शहर के भारत सेवा आश्रम में आयोजन हुआ, जिसका संचालन इन बहिनों ने किया। लगभग ५० बहिनों ने इनसे योगासन, प्राणायाम, पौरोहित्य, स्वावलम्बन का प्रशिक्षण पाया। शिविर के अलावा उन्होंने डीएवी पब्लिक स्कूल, ज्ञानेन्द्र भारती एवं शिव तीतला मंदिर स्थित सरस्वती शिशु मंदिर के विद्यार्थियों को भी योग, पौरोहित्य, संगीत तथा स्वावलम्बन का प्रशिक्षण दिया। ✷

गोपाष्टमी पर्व पर गोसंवर्धन का उल्लास

रायबरेली (उत्तर प्रदेश)

गोपाल गोशाला सेवाश्रम, अमांवा रायबरेली में गोषाष्टमी पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर गौ संवर्धन की प्रेरणा, प्रोत्साहन के श्रद्धासिक्त प्रयास हुए। दो दिन तक गायत्री महामंत्र एवं 'ॐ सुरैभ्यो नम:' मंत्र का अखण्ड जप, दीपयज्ञ एवं गायत्री यज्ञ का आयोजन किया गया। समारोह में गायत्री परिवार के श्री राकेश प्रताप सिंह ने गो महिमा पर विस्तार से प्रकाश डाला, वहीं मुख्य अतिथि कृषि विज्ञान केन्द्र दरियापुर के वैज्ञानिक डॉ. आर.पी. सिंह ने गौ संबंधी महत्त्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान कीं। ब्लॉक प्रमुख श्रीमती निर्मला देवी ने गौ माता का सम्मान किया। श्री किस्मत राय सहयोगी, साथी, श्रोताओं का आभार व्यक्त किया। ✷

> यदि तुम्हें बड़े बनने की चाह है, तो पहले छोटे बनो। गहरी नींव गाड़े बिना ऊँचा मकान नहीं बनाया जा सकता। - परम पूज्य गुरुदेव